ऑडियो,विडियों रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं. – 10
ट्रैक नं. – 16 ZOOM0016
ट्रैक समयावधि –

दिंनाक – 02/04/2021
स्थान – बड़नावा-चारणान

कलाकार का नाम – ईदु खां S/o. (गायन/वादन) पिता – आकु खां
पता – गांव बड़नावा-चारणान तै. पचपदरा जिला बाड़मेर

सहायक कलाकार – (वाद्य/गायन)
1. नेकु खां
2.
3.

विडियों रिकॉर्डिंग समय –

विषय – काव्या ऊगड़ा भानेज

विशेष विवरण –

विशेष-विवरण → यह काव्या उजैन के राजा कवाठ के जीवन पर आधारित है। बात उस समय की है जब राजा को उपहार में ढाल, तलवार पोसाक और पाग (सरताज) दिया जाता है। राजा कवाठ का एक भतीजा था, बेटा था, और एक उनका भानजा था (ऊगड़ा) जो बहुत ~~एक~~ ~~एक~~ पराक्रमी और महान योद्धा था। राजा कवाठ अपनी पाग अपने मंत्रीमण्डल के एक ब्राह्मण को देता है। राजा कवाठ की पाग किसी के सामने झुकने वाली नहीं होती है।

राजा कवाट की पाग लेके वह ब्राह्मण राजा अनन्त के दरबार में जाता है, तो वह वहां उसे मुजरा नहीं नहीं करता है। इस बात की खबर राजा अनन्त को नईजी के द्वारा मिलती है, तो राजा अनन्त उस ब्राह्मण को बुलाता है और उससे पुछता है। कि भाई ~~तुमें~~ तुने मुझे मुजरा क्यों नहीं किया मैं तो मेरी तोहिन है। तो वह केहता है। कि यदि मैंने मुजरा कर दिया तो पृथ्वी का विनाश हो जायेगा, राजा अनन्त बोला कुछ भी हो जाये तुझे मुजरा करना ही होगा।

जैसे ही वह ब्राह्मण सर झुकाता है तो उनकी पाग उपर उठ जाती है। तो राजा अनन्त राजा कवाठ से मिलने को उत्सुक हो जाता है। और सेठ दलीचन्द को राजा कवाठ के पास भेजता है। सेठ दलीचन्द छल से राजा कवाठ को राजा अनन्त के पास ले आता है। राजा अनन्त उसे झुकाने का बहुत प्रयास करता है। लेकिन राजा कवाठ किसी भी कीमत पर झुकने को तैयार नहीं होता है। राजा अनन्त गुस्से में आकर उसे कैद कर लेता है। इस बात की खबर उसके भान्जे उगड़े को होती, तो उगड़ा, उस ब्राह्मण को राजा कवाठ का पता लगाने भेजता है।

मेगा जो एक ~~ब~~ब्राह्मण था। वह राजा कवाठ की खबर करने निकल जाता है। और उज्जैन शहर में राजा कवाठ को राजा अनन्त ने कैद कर रखा था। यह खबर लेकर उगड़े भानेज के पास आता है। उगा अपनी ~~फौज~~ फौज के साथ अपने मामा कवाट को आजाद कराने के लिए रवाना हो जाता है। और राजा अनन्त के शहर पहुंच जाता है। वहा जाकर राजा अनन्त की सेना को शिकस्त देकर, अपने मामा को आजाद करवाता है। और वापस अपने महल लौट आते है। मामा अपने भान्जे से बहुत ~~ब~~ खुश होता है। और राजा कवाठ फिर से अपना राज्य भार सम्भालता है।